भारत सरकार

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1240

शुक्रवार , 16 अगस्त, 2013 को उत्तर देने के लिए

नैसर्गिक पूंजी संबंधी लेखे

1240. श्री विवेक गुप्ता:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय लेखों में प्राकृतिक पूंजी को शामिल करने की पहल की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश के पर्यावरण और नैसर्गिक संसाधनों के मूल्यांकन को सरकार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कब तक शामिल करने की इच्छा रखती है ?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीकांत कुमार जेना)

(क) से (ग) माननीय प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुसार, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने हरित राष्ट्रीय लेखाओं का फ्रेमवर्क विकसित करने और इस फ्रेमवर्क को कार्यान्वित करने के लिए भारत के वास्ते एक रूप-रेखा तैयार करने के उद्देश्य से प्रो. सर पार्थ दास गुप्ता, फ्रेंक रैमसे, अर्थशास्त्र के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, केम्ब्रिज विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में 2011 में एक विशेषज्ञ दल का गठन किया था । इस दल ने मार्च, 2013 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की । यह रिपोर्ट सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की वेबसाइट (www.mospi.gov.in) पर उपलब्ध है । रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि मौजूदा राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एसएनए) के स्थान पर राष्ट्रीय लेखाओं के व्यापक सेट, जिसमें नैसर्गिक संसाधनों का लेखाकरण शामिल है, को कदम-दर-कदम तरीके से ही अपनाया जा सकता है । रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि रिपोर्ट में पहचान किए गए आंकड़ा अंतरालों और आवश्यकताओं के अनुसार आंकड़ा संग्रहण की व्यावहार्यता पर निर्भर करते हुए मूल्यांकन के सिद्धांतों की पहचान के लिए 5 वर्ष की अवधि तक विस्तारित मध्यकालिक योजना और 10 वर्ष की अवधि तक विस्तारित दीर्घकालिक योजना तैयार करने के लिए अन्वेषणात्मक अनुसंधान किया जाए ।

****